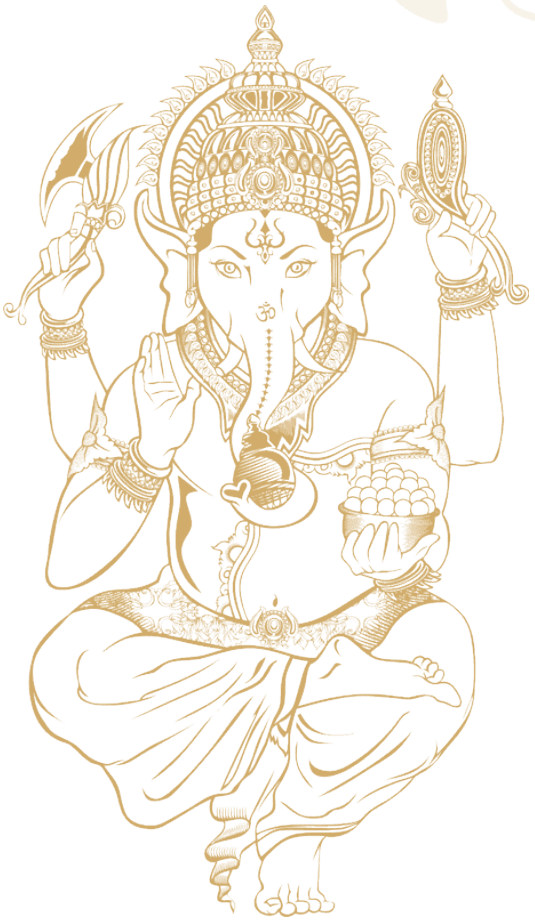

Sanjay Tiwari

Rishu Pandey

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119639902

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
31-01/06/1996 :	जन्म तिथि	: 15-16/07/1996
शुक्र-शनिवार :	दिन	: सोम-मंगलवार
घंटे 04:15:00 :	जन्म समय	: 04:00:00 घंटे
घटी 57:14:41 :	जन्म समय(घटी)	: 56:14:46 घटी
India :	देश	: India
Raipur :	स्थान	: Rajnandgaon
21:16:00 उत्तर :	अक्षांश	: 21:05:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व :	रेखांश	: 81:05:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12 :	स्थानिक संस्कार	: -00:05:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:21:07 :	सूर्योदय	: 05:32:54
18:40:51 :	सूर्यास्त	: 18:50:05
23:48:28 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:36

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 17वर्ष 5मा 20दि	28:41:24	मेष	लग्न	मिथु	08:15:03	गुरु 0वर्ष 8मा 26दि
बुध	16:55:36	वृष	सूर्य	मिथु	29:52:24	बुध
20/11/2013	04:24:21	वृश्चि	चंद्र	कर्क	02:43:06	11/04/2016
20/11/2030	27:46:49	मेष	मंगल	वृष	29:30:42	11/04/2033
बुध 18/04/2016	26:29:10	मेष	बुध	कर्क	05:12:07	बुध 08/09/2018
केतु 15/04/2017	22:42:19	धनु व	गुरु व	धनु	17:30:17	केतु 05/09/2019
शुक्र 14/02/2020	01:46:03	मिथु व	शुक्र	वृष	21:13:36	शुक्र 06/07/2022
सूर्य 20/12/2020	11:43:43	मीन	शनि	मीन	13:35:00	सूर्य 12/05/2023
चन्द्र 22/05/2022	21:59:29	कन्या व	राहु व	कन्या	17:29:28	चन्द्र 11/10/2024
मंगल 19/05/2023	21:59:29	मीन व	केतु व	मीन	17:29:28	मंगल 08/10/2025
राहु 05/12/2025	10:33:36	मक व	हर्ष व	मक	09:10:05	राहु 26/04/2028
गुरु 12/03/2028	03:40:17	मक व	नेप व	मक	02:37:51	गुरु 02/08/2030
शनि 20/11/2030	07:40:35	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:42:00	शनि 11/04/2033

लग्न-चलित

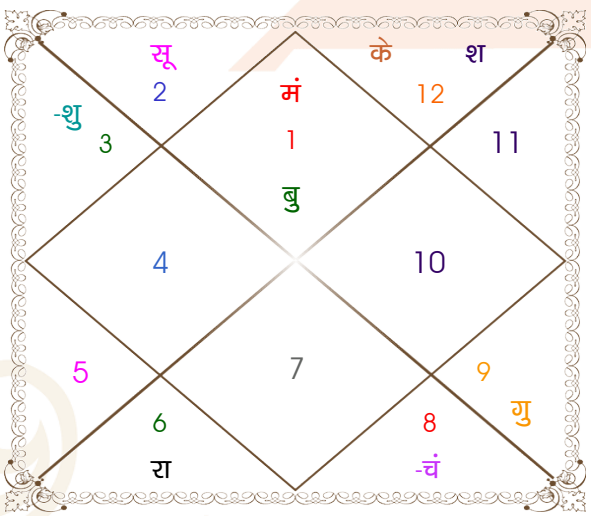

लग्न-चलित

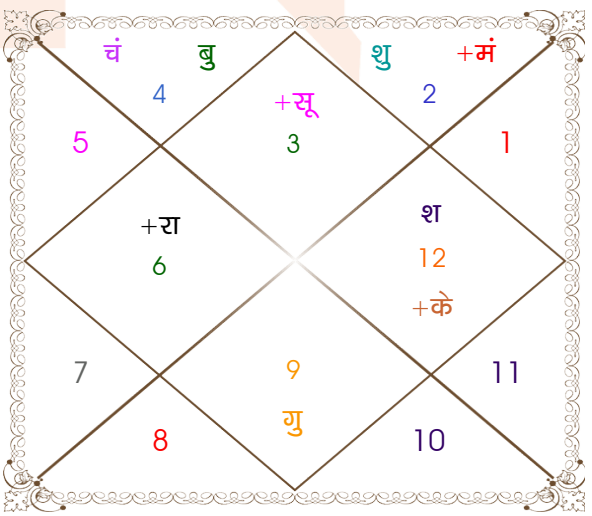

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member
All India Federation Of Astrologers Society
Professor colony Raipur Chhattisgarh
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Sanjay Tiwari का वर्ग सर्प है तथा Rishu Pandey का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sanjay Tiwari और Rishu Pandey का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sanjay Tiwari मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Sanjay Tiwari कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sanjay Tiwari कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Rishu Pandey मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rishu Pandey कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Sanjay Tiwari कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Sanjay Tiwari कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sanjay Tiwari तथा Rishu Pandey में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।